Seventeenth Loksabha

>

Title: Request the government to solve the problem of U.P. Board Exam conducted from 18th February, 2020.

डॉ. संघमित्रा मौर्या (बदायूं): महोदय, मैं आपका ध्यान उत्तर प्रदेश की यूपी बोर्ड की परीक्षा की ओर आकर्षित करना चाहती हूं । 18 फरवरी से यूपी बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हुईं । प्रथम दिन मातृभाषा हिन्दी की परीक्षा 2.3 लाख बच्चों ने छोड़ी । मैं सरकार के माध्यम से यह जानना चाहती हूं कि इतनी बड़ी संख्या में छात्रों ने परीक्षा छोड़ी है, उसका क्या कारण है? उन बच्चों का भविष्य, जो अधर में लटक गया है, उनके लिए क्या योजना है? साथ ही साथ महोदय, पहले ही पेपर में इंटर की परीक्षा में एक प्रश्न आया था कि कल्पलता के लेखक का नाम क्या है? चार विकल्प थे- चारों के चारों गलत थे । पहला था महावीर प्रसाद द्विवेदी, दूसरा था प्रोफेसर जी. सुंदर रेड्डी, तीसरा था वासुदेव शरण अग्रवाल और चौथा प्रेम चन्द जी । जबकि इसका सही उत्तर हजारी प्रसाद द्विवेदी जी थे, जो कि विकल्प में नहीं था । ऐसी स्थिति में बच्चा सवाल का सही उत्तर कैसे देगा?